Re. RAIL ACCIDENT, NEAR MUKERIAN, PUNJAB

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Sir, I am here because I was informed that at this hour, that is, at 4.30 p.m. the House will be informed of the details of very tragic and unfortunate rail accident in Punjab, near Mukerian. I, therefore, rise, Sir, to appeal to you that it is a very serious matter when Ministers responsible for the portfolio are present or not present in the House. Also, it is a matter of considerable concern to us, Sir, that the Minister concerned has, of course, pronounced that it is a murder. And, thereafter, after visiting the site of the accident, he is not available in the House. Then, naturally, we feel aggrieved about the matter. I had appealed to you, Sir, to please clarify the situation, to let us know whether the Minister will make a statement or not make a statement, or, what we have to expect of this situation.

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री सुरेश पचौरी): आदरणीय सभापति महोदय, सदन के विपक्ष के आदरणीय नेता जसवंत सिंह जी ने जो कल वीभत्स और दुर्भाग्यजनक रेल दुर्घटना हुई है उसके सिलसिले में सरकार की तरफ से वक्तव्य देने की जो जानकारी चाही है, तो सरकार की तरफ से हम वक्तव्य देने के लिए अभी तैयार हैं, हमारे राज्य मंत्री जी वक्तव्य देने के लिए यहां बैठे हुए है। मगर उनकी बात से मुझे ऐसा आभास होता है शायद यह गलत भी हो सकता है, कि वे उन मंत्री जी का वक्तव्य शायद सुनना चाहते हैं.....(व्यवधान) मैं आपनी बात में "शायद" वर्ड यूज कर रहा हूं।.....(व्यवधान)आदरणीय सभापति महोदय, यद्यपि जो पुरानी रुलिंग्स हैं, जों प्रोसीडिंग्स हैं।, उसके हिसाब से यह सरकार को तय करना होता है कि किसी भी विषय पर वक्तव्य देना होता है तो वह कौन देगा। यह इस प्रकार की रूलिंग 3 दिसम्बर, 1985 की भी है और कौल एंड शकधर के पेज-945 पर भी है कि अगर केबिनेट मिनिस्टर किसी वजह से सदन में नहीं रहता है तो राज्य मंत्री या उपमंत्री सरकार की तरफ से वक्तव्य दे सकता है। कल की जो दुर्भाग्यजनक और वीभत्स रेल दुर्घटना हुई है,, उस पर वक्तव्य देने के लिए सरकार की ओर से रेल राज्य मंत्री जी यहां मौजूद हैं। फिर भी यदि जो भी आसंदी से इस सम्बन्ध में निर्देश होगा हम उसका पालन करने के लिए तैयार हैं।

श्री जसवन्त सिंह: माननीय मिनिस्टर साहब ने जो फर्माया वह बिल्कुल सही बात है। वैसे मैंने बीच में देखा, जो अपने आप में साधारणतया होता नहीं है , कि माननीय गृह मंत्री जी उनको गाईड कर रहे थे कि क्या जवाब देना है। यह साधारणतया किया नहीं जाता। जब एक मंत्री जवाब दे रहा है तो दूसरा मंत्री उनको बीच में कहता है कि ऐसे जवाब मत दो, ऐसे दो। यह अपने आप में...(व्यवधान)....

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS SHRI SHIVRAJ V. PATIL: I can cooperate with my colleague here.... *(Interruptions)* ... You cannot object to it ... *(Interruptions)* .. I am just talking to my colleague ... *(Interruptions)*...

श्री जसवन्त सिंह: अभी तक तो चेयरमैन साहब, मैंने आपसे जो अर्ज़ किया, वह यही किया कि साधारणत: यह देखने में नहीं आता है। यह माना जाता है कि सभी मंत्री समान हैं और सभी मंत्री समान योग्यता के भी है। जब एक मंत्री बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो उन्हें स्वायत्तता भी है और उनकी योग्यता भी समान है। अब एक प्रवृत्ति और देखने को मिली है कि जब कोई सदस्य खड़ा होता है तो माननीय गृह मंत्री जी, जो पहले स्पीकर साहब रह चुके हैं, वे बीच में खड़े होकर टोकना शुरू कर देते हैं। यह तो हमने पहले.....**(व्यवधान)** ...

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, this is very unfair. ... *(Interruptions)*... I spoke only when he yielded, and when I was allowed to do it. And, I did not expect this from my colleague sitting on the other side. ... *(Interruptions)*... And, I don't say that today he is in a very different mood. ... *(Interruptions)*...

श्री जसवन्त सिंह: ये वही कर रहे हैं, जो मैंने कहा। ...**(व्यवधान)** जो मिनिस्टर आफ स्टेट ने कहा, यह सही बात है कि साधारणत: अगर मंत्री मौजूदा नहीं हैं , गैर-मौजूद हैं, उनको कोई तकलीफ है, तो दूसरे मंत्री उसके बारे में बयान दे सकते हैं। यह ठीक बात है। वैसे उनको कायदे-कानून की महारत भी है और विशेषकर पेज नम्बर्स की ....**(व्यवधान)**

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है।

श्री जसवन्त सिंह: परन्तु अब आप खुद सोच लीजिए। ....**(व्यवधान)**

श्री सभापति: ठीक है।

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, the House should be run according to the rules. ...*(Interruptions)*....

श्री जसवन्त सिंह: चेयरमैन साहब, उसमें आप खुद देख लीजिए। हमारे माननीय सदस्यों को जो दिक्कत है, वह यह है कि जो मंत्री जी वहां जाते हैं, वहां पर मंत्री महोदय द्वारा जब टिप्पणी हो जाये और टिप्पणी उसी एक्सीडेंट पर हो, तो सदन की यह अपेक्षा रहती है कि सदन में आकर के उस पर पहले रपट दी जायेगी और फिर दूसरा काम किया जायेगा। इसी अपेक्षा से हमारे जो माननीय सदस्य हैं, वे कुछ चिंतत हैं, कुछ विचलित भी हैं। उन्हीं की जो भावना है, उसको मैं व्यक्त कर रहा हूं। हमें तो करना वही है, जो आप आदेश देंगे। इसके बारे में आप जानते हैं। परन्तु इनकी भावना आप जरूर ध्यान में रखें, ऐसा मैं कहता हूं।

श्री सभापति: मैंने माननीय सदस्यों की सारी बातें सुन ली हैं। आप चाहते हैं कि श्री लालू प्रसाद जी खुद एक वक्तव्य दें।...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): वे आज कहां हैं?

श्री सभापति: आप मेरी बात सुन लीजिये। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: बिहार, सभापति महोदय, एप्रोप्रिएशन बिल पर...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइये। आप बीच में मत बोलिये। ...(**व्यवधान**)... मैं जब बोल रहा हूं, तो आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... यह गलत बात है। आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, मै याद दिला रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): ये* कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठिये। आप बैठिये। आप बैठिये। ...(**व्यवधान**)... आप ठहरिये। आप ठहरिये। ...(**व्यवधान**)... मैं खुद ही कह रहा हूं कि लालू जी ...(**व्यवधान**)... आप बैठिये ...(**व्यवधान**)...

†मौलाना ओबैदुल्लाह खान आज़मी (मध्य प्रदेश): सर, वहां से एक टिप्पणी आई है कि* कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

†مولانا عبیداللہ خان اعظمی: سر، وہاں سے ایک ٹپنی آئی ہے کہ * کر رہے ہیں.....مداخلت.....

श्री सभापति: आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... आप उन बातों को छोड़िये। ...(**व्यवधान**)... Please take your seat...(*Interruptions*)....Please take your seat. ...Please take your seat. ...(*Interruptions*)....

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): Sir, we are discussing a very tragic accident. Let us not forget it. (*Interruptions*)....

श्री सभापति: मैं यह कह रहा था। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य मेरी बात सुन लें। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर ये* शब्द इस्तेमाल करते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: *शब्द रिकार्ड से हटा दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.
†Transliteration of Urdu Scripts.

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर ये बैठे-बैठे कमेंट्स करते रहते हैं और असंसदीय शब्द इस्तेमाल करते हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति:* शब्द रिकार्ड से हटा दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, क्या ऐसा शब्द चलेगा? ...(**व्यवधान**)... Do we expect some Members to go on repeating it?

श्री सभापति: ये शब्द नहीं चलेगा। ...(**व्यवधान**)... किसी को* का शब्द नहीं बोलना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइये। मैंने कह दिया है। ...(**व्यवधान**)...मैं यह कह रहा था कि सुबह ...(**व्यवधान**)...माननीय भंडारी जी, आप बैठ जाइये। प्लीज टेक योर सीट। ...(**व्यवधान**)... Please take your seat. (Interruptions)... यह रिकार्ड पर नहीं जायेगा। ...(**व्यवधान**)... यह रिकार्ड पर नहीं जायेगा। ...(**व्यवधान**)...

†**मौलाना ओबैदुल्लाह खान आज़मी:** सर, यह शब्द रिकार्ड से निकाल देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

مولانا عبید اللہ خان اعظمی: سر، یہ شبد ریکارڈ سے نکال دینا چاہئے.....مداخلت.....

श्री सभापति: हां, वह शब्द रिकार्ड से निकाल दिया है। आपको निकालने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मैं इतना निवेदन कर रहा हूं कि आज सुबह जब यह प्रश्न उठा था। उस समय माननीय राज्य मंत्री जी इस पर बोलना चाहते थे। वे सुबह भी तैयार थे। उस समय प्रश्न यह खड़ा हुआ कि माननीय मंत्री महोदय, स्वयं उस स्थान पर जाकर आये हैं। उन्होंने मौके का मुआयना किया है। प्रत्येक स्थिति को देखा है। इसलिए अच्छा हो कि वह वक्तव्य दें। वे आज नहीं हैं। लोक सभा में इस प्रकार की चर्चा हुई, लेकिन मुझे अभी जानकारी मिली है कि वे आज शाम तक आ जायेंगे, लेकिन शाम तक कब आयेंगे, यह पता नहीं है। इसलिए मैं माननीय मंत्री महोदय से कहूंगा कि आपकी जगह यदि कल मंत्री जी जवाब दे दें तो मैं समझता हूं कि माननीय सदस्यों को कोई आपत्ति नहीं होगी। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सर, मंत्री जी कहां हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मंत्री जी, ...(**व्यवधान**)...मंत्री जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री अरुण जेटली (गुजरात): सर, मंत्री जी प्रश्नों के उत्तर ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।

श्री सभापति: मैं गंभीरता से ले रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारी (उत्तर प्रदेश): आप इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.
†Transliteration of Urdu Scripts.

श्री सभापतिः आपको बोलना जरूरी है क्या? ...(**व्यवधान**)... जो बात लीडर ऑफ दी आपोजिशन ने कह दी, उसके बाद कहने की क्या जरूरत है? ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारीः इसका राजनीतिकरण कर रहे हैं ये लोग।...(**व्यवधान**)... एक बार नहीं सुनेंगे, दूसरी बार सुनेंगे।...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालियाः सर, गलत परम्परा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः गलत परम्परा यह है कि ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालियाः केबिनेट मंत्री खुद जाकर टेलीविजन पर बोलते हैं ...(**व्यवधान**)... दूसरे सदन में कहते हैं...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः हां, तो मैंने कहा न। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालियाः सदन में बताऊंगा। ...(**व्यवधान**)... उसके बाद सदन में उपस्थित नहीं हैं...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आज आ जाएं तो...(**व्यवधान**)... मेरी सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

प्रो॰ राम देव भंडारीः यह सरकार को तय करना है। यह केन्द्रीय मंत्रियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। ...(**व्यवधान**)... मंत्रियों की सामूहिक जवाबदेही है। ...(**व्यवधान**)... केबिनेट मिनिस्टर जवाब दें या स्टेट मिनिस्टर जवाब दें ...(**व्यवधान**)... यह सामूहिक जिम्मेदारी है। ...(**व्यवधान**)... मंत्रिपरिषद् की सामूहिक जिम्मेदारी है। ...(**व्यवधान**)... डिक्टेट नहीं कर सकते।...(**व्यवधान**)... इनके कहने से मंत्री जी नहीं आएंगे।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः कोई रिकॉर्ड नहीं हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... कोई रिकॉर्ड नहीं हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... कोई रिकॉर्ड नहीं हो रहा है।...(**व्यवधान**)... कम से कम आप इतना तो ध्यान रखिए। ...(**व्यवधान**)... आप इनको तो रोकिए। आपकी आवाज ही नहीं आती। ...(**व्यवधान**)... बैठ जाओ, क्यों जबर्दस्ती ...(**व्यवधान**).....(**व्यवधान**)... आप बैठिए। मंत्री जी ...(**व्यवधान**)... मेरी सुन लीजिए। मंत्री जी कहीं भी हों, इसका तो मुझे पता नहीं है लेकिन ...(**व्यवधान**)... मेरी सुनिए, आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि मंत्री जी अभी आ गए तो अभी वक्तव्य दिला दूंगा और अभी नहीं आए तो कल लालू प्रसाद जी, रेलवे मंत्री इसके ऊपर अपना वक्तव्य देंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालियाः *

प्रो॰ राम देव भंडारीः *

---

*Not recorded.

श्री रवि शंकर प्रसाद: *

श्री सभापति: आप उनसे कल पूछना। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: *

श्री सभापति: आज कौन जवाब देगा? मैं दूं? मै कोई जवाब नहीं दे सकता। मैं कोई जवाब नहीं दूंगा। ...(**व्यवधान**)... अब आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... आप मुझसे पूछते हैं कि लालू जी कहां हैं, मैं नहीं बता सकता। मैं केवल यह कह सकता हूं कि लालू जी कल वक्तव्य देंगे। ...(**व्यवधान**)... लालू जी कल वक्तव्य देंगे, यह कह सकता हूं।

श्री जसवंत सिंह: चेयरमैन साहब, मुझे एक ही निवेदन करना है। वही होगा जो आपने आदेश दिया है, उसी आदेश के मुताबिक हम सदन में कार्यवाही करेंगे। निवेदन हमारा यह था कि वहां बाहर एक रेलगाड़ी की टक्कर हो गयी। जरूरी नहीं है कि सदन में भी उसी प्रकार टक्कर हो। लोग चाहते थे कि मंत्री जी यहां होते तो अच्छा होता। वे कहकर नहीं आ पा रहे हैं। वे कहां हैं, कहां नहीं हैं, इसकी जानकारी लोगों को नहीं है इसलिए लोगों को चिंता थी। आप भी कहें कि उसकी आप फिक्र मत कीजिए, जहां भी हैं, देखेंगे, इनमें सोचने की बात है...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक मिनट बैठिए। मैं यह नहीं कह सकता कि मंत्री जी कहां हैं, कहां नहीं हैं लेकिन आपने जो मांग की है कि मंत्री जी इस पर वक्तव्य दें, मैं इससे सहमत हूं इसलिए मैंने कह दिया कि वे कहीं भी हों, अगर अभी आ गए तो मैं अभी वक्तव्य दिलवा दूंगा और अगर अभी नहीं आए तो कल जब आएंगे तब उनसे जवाब दिलवा दूंगा। इसमें किसी को क्यों आपत्ति हो सकती है?...(**व्यवधान**)... बस हो गया मामला। बहुत गम्भीर है। ...(**व्यवधान**)..

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, एक चीज मैं रिकार्ड करना चाहता हूं। सदन की तरफ से यह स्पष्ट हो जाना चाहिए, जो हादसा होना था, वह हो गया है, सब लोग कह रहे हैं, दर्दनाक है। प्रेस की रिपोर्ट से संसद नहीं चलनी चाहिए। आज भी अगर हादसे के बारे में, we are more concerned about the accident, about the people who have died there, and not the Railway Minister, or—Sir, please don't mind—the Leader of the Opposition, or the Minister present here. It would not make a good impression if tomorrow, people come to know that in spite of the fact that the Government is prepared to give a report on the accident...(*Interruption*).... Please, Sir, these are the views of my party....(*Interruption*).... these are the views of my party....(*Interruption*)....

श्री सभापति: बोलने दीजिए. क्या दिक्कत है?

---

*Not recorded.

SHRI ARUN JAITLEY: Sir, this Government is so callous....(*Interruptions*).... the Minister is not present in the House....(*Interruptions*).....

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, ...(*Interruptions*)... so many people have died....(*Interruption*)... so many people have died....(*Interruptions*)..... We are not prepared....(*Interruptions*)..... We are not prepared to look at the details of the accident....(*Interruptions*)..... and official persons ....(*Interruptions*)..... This is the view of my party. So many people have died. We are not prepared to look at the details of the accident. ....(*Interruptions*)..... मैं क्या प्रेस में देखता रहूंगा? ...(व्यवधान)... आप बैठिए। सर, मैं क्या प्रेस की तरफ देखता रहूंगा? इनको जितनी बयानबाजी करनी है, ये करें। मुझे यह चाहिए, केवल official version of the accident क्या है, अभी तक मुझे देखने का मौका नहीं मिला है। इससे बड़ा दुख एक सांसद के लिए और क्या हो सकता है? ...(व्यवधान)... केवल मंत्री....

श्री सभापति: मैं आपको बताता हूं...मेरी सुन लीजिए। एक मिनट मेरी सुनिए। ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, आप मेरी विनती सुनिए कि we must have the information of the official version of the accident...(*Interruptions*)... People like Dr. P.C. Alexander and others are there ...(*Interruptions*)... Is the Minister more important than the accident? ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Let me say something....(*Interruptions*)....

मैं आपको बता दूं कि क्या हुआ? बैठिए तो सही। ...(व्यवधान)... देखिए ...(व्यवधान)... अहलुवालिया जी, बैठिए तो सही।...(व्यवधान)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Is this the right way to speak? ...(*Interruptions*)... There must be some rule for him...(*Interruptions*)... He cannot hijack the House ...(*Interruptions*)... Every time he stands like this ...(*Interruptions*)... He cannot hijack the House ...(*Interruptions*)... He cannot hijack the House ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: बैठिए...बैठिए...आप बैठिए। देखिए आप मुझे ...(व्यवधान)... बैठिए सरदार जी। ... मैं बोल रहा हूं। ...(व्यवधान)... ज़बरदस्ती आप ...(व्यवधान)... ठीक है, ठीक है...(व्यवधान)...

SHRI ARUN JAITLEY: The Government is not able to justify the absence of the Minister...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: I want the official version of the accident. ...*(Interruptions)*... I want the official version of the accident. *(Interruptions)*....

MR. CHAIRMAN: Please take your seat...*(Interruptions)*...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: The Government is not interested. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: नारायणसामी जी, बैठिए.....बैठिए। गुस्सा मत कीजिए ....गुस्सा मत कीजिए। ...(व्यवधान)...मैं कह रहा हूं ...(व्यवधान)... और किसी को बोलना है क्या? आपके नेता महोदय ने सब कुछ कह दिया है, उसके बाद भी अगर आप बोलना चाहते हैं तो आप बोल सकते हैं। ...(व्यवधान)... नेता महोदय ने सब कुछ कह दिया है। अब मैं दूसरी बात कहना चाहता हूं। अभी माननीय सदस्य दीपांकर मुखर्जी ने यह प्रश्न उठाया। यह बहुत गंभीर है,मैं इसको मानता हूं और इसकी गंभीरता को भी समझता हूं कि सरकार का version इस संबंध में क्या है, इसकी जानकारी जनता को मिलनी चाहिए, लेकिन माननीय सदस्य को यह जानकारी होगी और मैंने खुद देखा है कि लालू जी कल टी०वी० पर इस सारे मामले को बता रहे थे। लालू जी के मुंह से ही सारी बात निकली है। आपत्ति इतनी सी है कि लालू जी वहां जो बोले, वह हाऊस में बोलते। इसलिए मैं समझता हूं कि सब माननीय सदस्य इसको मंजूर करेंगे, इसलिए आपत्ति करने की आवश्यकता नहीं है। कल लालू जी बोलेंगे, चलिए, अब आगे।...(व्यवधान)...

SHRI ARUN JAITLEY: When the House is in Session, he makes a statement outside the House, but he is not present to make the statement in the House.

श्री सभापति: मैंने बताया कि outside the House के ...(व्यवधान)...एक मिनट ठहर जाइए। ...(व्यवधान)...एक मिनठ ठहरिए...एक मिनट ठहरिए।....(व्यवधान)... Outside the House उन्होंने ...(व्यवधान)...आप बैठ जाइए...आप बैठ जाइए, भंडारी जी।

जी। ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य बैठिए। ...माननीय सदस्य बैठिए। (व्यवधान)...जो निर्णय मैंने कर दिया है, वही रहेगा। जो मैंने निर्णय कर दिया है, वही रहेगा। अब इसी पर श्री संजय निरुपम बोलेंगे।

SHORT DURATION DISCUSSION — contd.

Internal security situation in the country

श्री संजय निरुपम: अब रेल सिक्योरिटी की समस्या से निकलकर इंटरनल सिक्योरिटी पर आते हैं।

आदरणीय सभापति जी, मैं बड़ा आभारी हूं कि आंतरिक सुरक्षा के एक गंभीर विषय के ऊपर अपने विचार रखने के लिए आपने मुझे अनुमति दी। मैं किसी राजनीतिक आग्रह के साथ यह बात नहीं कहूंगा और जो कहूंगा, वह देश की सुरक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण होगा, तभी कहूंगा। आंतरिक सुरक्षा के कई पहलू हैं और कई पहलुओं के ऊपर चर्चा हो चुकी है। कश्मीर से लेकर उत्तर–पूर्व, बंगलादेशी घुसपैठ और तमाम अलग–अलग पहलुओं के ऊपर चर्चा हुई, मैं सबसे पहले बंगलादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहता हूं। दुर्भाग्यवश बंगलादेशी घुसपैठ का जो प्रश्न है, उसको सांप्रदायिकता की नज़र से हमारे देश में देखा जाता है।

(श्री उपसभापति पीठासीन हुए)

जैसे राम मंदिर का मुद्दा है, धारा 370 का मुद्दा है, गो-हत्या पर प्रतिबंध का मुद्दा है, ये सब आप लोगों की नज़र में सांप्रदायिक मुद्दे हैं, बिल्कुल उसी तरह से जो बंगलादेश का मुद्दा है, उसको भी साम्प्रदायिक दृष्टिकोण से देखा जाता है, मैं समझता हूं गलत है, सही नहीं है। बंगलादेश का प्रश्न सीधे देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा हुआ प्रश्न है और जब भी इस विषय पर चर्चा करें तो धर्मनिरपेक्षता और साम्प्रदायिकता को बीच में न लाकर, हम देश की सुरक्षा को सामने रखें। पिछले हफ्ते गृह मंत्री महोदय ने, सदन में, एक सवाल के जवाब में स्पष्टतौर पर माना कि उत्तर-पूर्व की आतंकवादी घटनाओं में बंगलादेश के घुसपैठियों का हाथ है यानी बंगलादेश के घुसपैठ की वजह से आतंकवाद धीरे–धीरे बढ़ रहा है। बंगलादेश में उत्तर-पूर्व के बहुत सारे आतंकवादी संगठन हैं, विशेषकर असम के जो संगठन हैं, उल्फा जैसे संगठन हैं, उनके ट्रेनिंग सैन्टर्स हैं। आपने स्वयं अपनी रिपोर्ट में बताया है, मैं चाहूं तो पढ़कर बता सकता हूं कि आपकी सरकार विदेश मंत्रालय की तरफ से, बंगलादेश की सरकार के साथ बाकायदा बातचीत हो रही है। आप लोगों ने ट्रेनिंग कैम्प की लिस्ट तक दे दी है, लेकिन आज तक कोई रिजल्ट नहीं आया है। मुझे लगता है कि उन बंगलादेशियों के प्रश्न पर, सरकार को बहुत गंभीरता से सोचना चाहिए। पिछले छः साल से जब हमारी एन॰डी॰ए॰ की सरकार थी, तब भी लगभग हर सत्र में, मैं बंगलादेशियों के मुद्दे पर बोलता था। जब आप लोग इस तरफ हुआ करते थे तो इस तरफ से बड़ा विरोध होता था, कि देखो यह साम्प्रदायिक मुद्दा लेकर